

पूर्व एसीजे संजीव प्रकाश शर्मा ने जजेज़ के लिए एसओपी बनाने की मांग उठाई

उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, “ मेरे साथ जो हुआ, वह किसी अन्य जज के साथ नहीं हो ”

–कार्यालय संवाददाता–
जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट जजेज के लिए स्ट्रेण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एस.ओ.पी.) बनाए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि साथी जजों के संबंध में कोई भी टिप्पणी करने या किसी अन्य हाईकोर्ट के कामकाज से जुड़े मामलों में जजों के आचरण को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश होने चाहिए। अब समय आ गया कि ऐसी एसओपी बनाई जाए। इसका उद्देश्य न्यायिक अनुशासन बनाए रखना और ऐसी किसी कार्रवाई को मिसाल बनने से रोकना होना चाहिए, जिससे कि भविष्य में हाईकोर्ट के कामकाज में दखल के हालात पैदा नहीं हों। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए कि जो उनके साथ जो हुआ, वह दोबारा नहीं होना चाहिए। वरना अगली बार कोई सुप्रीम कोर्ट जज अपने गृह राज्य के हाईकोर्ट के मामलों और उसके कामकाज में हस्तक्षेप कर सकता है। पूर्व एसीजे एसपी शर्मा ने यह बात गुरुवार को मीडियाकर्मियों से बातचीत में कही।

■ उन्होंने कहा कि साथी जजों के संबंध में कोई भी टिप्पणी करने या किसी अन्य हाईकोर्ट के कामकाज से जुड़े मामलों में जजों के आचरण को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश होने चाहिए। इसका उद्देश्य न्यायिक अनुशासन बनाए रखना और ऐसी किसी कार्रवाई को मिसाल बनने से रोकना होना चाहिए, जिससे कि भविष्य में हाईकोर्ट के कामकाज में दखल के हालात पैदा नहीं हों। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए कि जो उनके साथ जो हुआ, वह दोबारा नहीं होना चाहिए। वरना अगली बार कोई सुप्रीम कोर्ट जज अपने गृह राज्य के हाईकोर्ट के मामलों और उसके कामकाज में हस्तक्षेप कर सकता है। पूर्व एसीजे एसपी शर्मा ने उन पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संदीप मेहता की ओर से लगाए गए आरोपों पर कहा कि उस समय उन्हें निजी तौर

पर बहुत पीड़ा हुई थी। उन पर जो आरोप लगाए हैं उन्हें देखकर नहीं लगता कि वे किसी सुप्रीम कोर्ट जज की मानसिकता वाले व्यक्ति ने लगाए हैं, बल्कि आम आदमी के लगाए हुए दिखाई देते हैं। इस पूरे घटनाक्रम से उनकी छवि के साथ ही न्यायपालिका की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने खुद के सभी जवाब रिकॉर्ड पर रख दिए हैं और जस्टिस मेहता के साथ में उन पर लगाए गए आरोपों पर क्रॉस एजामिनेशन करने की भी मांग की है। उन्होंने बताया की वे अपना जवाब सीजेआई को भेज चुके हैं और अब उनके जवाब आने का इंतजार है।

‘सीजे के कॉलेजियम के समय सोच समझकर हुआ था वकीलों का विरोध’

पूर्व एसीजे शर्मा ने कहा कि जब हाईकोर्ट सीजे की नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम होने वाला था तो उसी समय जोधपुर के वकीलों ने विरोध किया। यह सब कुछ सोच समझकर किया गया था। जस्टिस मेहता के उन पर लगाए गए आरोप केस आभाए पर लगाए गए थे, लेकिन न्यायिक गरिमा में इस तरह के आरोप नहीं लगाए जा सकते।

न्यायिक अधिकारियों के किए गए ट्रांसफरों के संबंध में लगाए गए आरोपों को भी निराधार बताया। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संदीप मेहता की ओर से पूर्व एसीजे शर्मा के खिलाफ पद के दुरुपयोग के आरोप और उनकी कार्य प्रणाली पर सवाल उठाते हुए सीजेआई को चार पत्र लिखे थे।

पिंकसिटी के हैरिटेज संरक्षण पर हाईकोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

- अदालत ने कहा है कि, वर्ष 2019 में “यूनेस्को वर्ल्ड हैरिटेज” में शामिल हुई जयपुर चारदीवारी में हैरिटेज संरक्षण के बजाय ध्वस्तीकरण बढ़ा है।
- हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब मांगा है कि, अब तक जयपुर चारदीवारी के “हैरिटेज” को बचाने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं?

–कार्यालय संवाददाता–
जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर परकोटे (चारदीवारी) की हैरिटेज विरासतों के संरक्षण को लेकर स्वतः संज्ञान लिया है। मुख्य न्यायाधीश संजय के. अग्रवाल और न्यायाधीश समीर जैन की खंडपीठ ने कहा कि गुलाबी नगरी विश्वप्रसिद्ध धरोहर हैं, यहां के हैरिटेज संरक्षण के लिए राज्य सरकार कड़े कदम उठाए। साथ ही वर्ष 2025 में गठित “वर्ल्ड हैरिटेज कमेटी” द्वारा तैयार ड्राफ्ट्स व सिफारिशों को भी अपनाए। हाईकोर्ट ने कहा कि, जयपुर शहर के परकोटे को यूनेस्को ने वर्ष 2019 में “वर्ल्ड हैरिटेज सूची” में पिंकसिटी के नाम से दर्ज किया है। यह जयपुर समेत पूरे देश के लिए गौरव की बात हैं, परंतु पिछले कुछ वर्षों में जयपुर चारदीवारी के भीतर

हैरिटेज इमारतों व हवेलियों का संरक्षण होने के बजाय इनका ध्वस्तीकरण हो रहा है, यह बेहद गंभीर है। राज्य सरकार जयपुर परकोटे के संरक्षण के लिए स्वयं आगे आए। इसके संबंध में स्थानीय समाचार पत्र में भी खबरें प्रकाशित हुई हैं, जिस वजह से अदालत ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वतः संज्ञान लिया है।

अदालत ने राज्य सरकार को यह बताने के लिए भी कहा है कि, वर्ष 2025 के “वर्ल्ड हैरिटेज कमेटी” के फैसले पर अब तक क्या-क्या कदम उठाए हैं, इसकी जानकारी भी दी जाए। इस प्रकरण में राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता ने नोटिस स्वीकार कर लिए हैं। अब इस मामले पर सुनवाई 10 अक्टूबर को जनहित याचिका की तरह होगी।

12 भूखंडों की नीलामी से रीको को मिला 5 6 9 करोड़ रु. राजस्व

जयपुर । राजस्थान में औद्योगिक, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) की ओर से आयोजित अविकसित एवं अध्विकसित भूखंडों की ई-नीलामी में निवेशकों का उत्साह देखने को मिला। 30 सितंबर 2026 को समाप्त हुई नीलामी में करीब 3९1 एकड़ क्षेत्रफल वाले 12 भूखंडों के लिए 128 उधिमयों ने बोली लगाई। इससे रीको को 569 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। उदयपुर के माल की दूस् में पर्यटन परियोजनाओं के लिए उपलब्ध कराए गए दो भूखंडों के लिए सर्वाधिक 68 उधिमयों ने रुचि दिखाई। पिवाड़ी के राबड़ुका में लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के एक भूखंड के लिए 7, दौसा के आईजीपी जयपामपुरा में एक औद्योगिक भूखंड के लिए 3 और बांदीकुई के साउथ वेस्ट जोन में चार औद्योगिक भूखंडों के लिए 32 आवेदन मिले। इसी प्रकार राजसमंद के तनाजा का बांसा में दो औद्योगिक भूखंडों के लिए 6 तथा उदयपुर के पीणाड में दो औद्योगिक भूखंडों के लिए 12 आवेदन प्राप्त हुए। पर्यटन भूखंडों पर परियोजनाएं स्थापित होने से प्रदेश में पर्यटन

- 391 एकड़ क्षेत्रफल वाले इन 12 भूखंडों के लिए 128 उधिमयों ने लगाई बोली
- उदयपुर के “माल की दूस्” के दो पर्यटन भूखंडों के लिए 68 निवेशकों ने दिखाई रुचि

निवेश को गति मिलने की उम्मीद है।

रीको के अनुसार भूखंडों का आवंटन प्रारंभ में 33 वर्ष की लीज पर किया जाएगा, जिसे दो बार 33–33 वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकेगा। प्रत्येक नवीनीकरण के समय संबंधित औद्योगिक क्षेत्र में प्रचलित आवंटन दर के आधार पर 10 प्रतिशत भूमि प्रीमियम देना होगा। यह व्यवस्था प्रारंभिक 33 वर्ष की अवधि पूरी होने के बाद पहले और दूसरे नवीनीकरण पर लागू होगी। रीको की इस पहल से प्रदेश में औद्योगिक विकास, लॉजिस्टिक्स ढांचे और पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ नए उधिमयों के लिए भूमि उपलब्धता के अवसर बढ़ने की उम्मीद है।

नव प्रसूता कर्मचारियों के लिए तबादला नीति लाए सरकार : राजस्थान हाईकोर्ट

जयपुर (कासं) । राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा कि एक आदर्श नियोक्ता के रूप में राज्य सरकार को नव प्रसूता और उसके बच्चे के बीच के पवित्र बंधन की रक्षा करनी चाहिए और उसे मशीनी अंदाज में तबादला कर इसे तोड़ना नहीं चाहिए। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि वह नव प्रसूता कर्मचारियों के लिए उचित तबादला नीति लाए। ऐसी नीति के अभाव में मां और शिशु दोनों को गंभीर कठिनाई होती है। वहीं अदालत ने याचिकाकर्ता से जुड़े मामले में तबादला आदेश को छह सप्ताह के लिए टालते हुए याचिकाकर्ता की ओर से पेश अध्यावेदन को पांच सप्ताह में तय करने को कहा है। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश सुपम मीणा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि दूरस्थ स्थान पर तबादला करने के कारण दो माह के बच्चे को मां से जबरन अलग करने जैसा है। इससे न केवल उनके अभूम्य अधिकार का हनन होगा, बल्कि शिशु को मनोवैज्ञानिक आघात, असुरक्षा और कुपोषण का खतरा उत्पन्न होगा। जिसकी किसी भी तरह से भरपाई नहीं हो सकती। याचिका में अधिवक्ता संस्कृति गौतम ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता सुवाई मौधपुर के गंगापुर सिटी में वरिष्ठ अध्यापक के तौर पर कार्यरत है। उसने गत 13 मई को बच्चे को जन्म दिया था और 7 जुलाई को विभाग ने उसका तबादला

- अदालत ने कहा कि “दूरस्थ स्थान पर तबादला करने के कारण नवजात बच्चे को मां से जबरन अलग करने जैसा है। इससे न केवल उनके अभूम्य अधिकार का हनन होगा, बल्कि शिशु को मनोवैज्ञानिक आघात, असुरक्षा और कुपोषण का खतरा उत्पन्न होगा। जिसकी भरपाई नहीं हो सकती।”

करौली जिले में कर दिया। याचिका में कहा गया कि तकनीकी आधार पर उसे मालुम अवकाश नहीं दिया गया है, क्योंकि वह पूर्व में दो बार मातुत्व अवकाश ले चुकी है। हालांकि पूर्व में एक संतान जन्म के बाद दिवंगत हो गई थी। याचिका में कहा गया कि उसने मानवीय आधार पर तबादला आदेश को निरस्त कराने के लिए सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण में अपील दायर की थी, लेकिन अधिकरण ने उसे खारिज कर दिया। याचिका में कहा गया कि उसका नवजात अंधी दो माह का है और पूर्ण रूप से याचिकाकर्ता पर निर्भर है। ऐसे में उसका दूरस्थ स्थान पर तबादल उचित नहीं है।

जयपुर । अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर टाइम बैंक ऑफ इंडिया की ओर से महाराणा प्रताप सभागार में आयोजित समारोह में 80 वर्ष से अधिक आयु के 75 वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान जयपुर की सांसद मंजू शर्मा ने किया। जयपुर केंद्र के चेयरमेन आर.सी. जैन का भी अभिनंदन किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने संदेश में कहा कि 2047 तक भारत में बुजुर्गों की संख्या युवाओं से अधिक होने की संभावना है। उन्होंने वरिष्ठजनों के अकेलेपन को दूर करने में टाइम बैंक के प्रयासों को सराहनीय बताया। समन्वयक बी.एल. शर्मा ने बताया कि यहां पैसा नहीं, समय जमा किया जाता है। संस्थापक अध्यक्ष पी.सी. जैन ने भी विचार रखे। गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष शैलेन्द्र टंडन ने बताया कि संस्था 2०19 से पूरे भारत में कार्यरत है। जयपुर जिला संयोजक अशोक जैन ने आभार जताया। समारोह में सिकिमा हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एस.एन. भार्गव, आई बैंक अध्यक्ष बी.एल. शर्मा, टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. रश्मि जैन, हाईकोर्ट के पूर्व जज जस्टिस दीपक माहेश्वरी, पीएनबी मंडल प्रमुख धर्मेन्द्र कुमार समेत कई लोग मौजूद थे।

ज्वैलर्स ने किया महापौर कोठारी का सम्मान

जयपुर । ज्वैलर्स एसोसिएशन, जयपुर की ओर से शहर के महापौर सुनील कोठारी का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। एसोसिएशन के 1०0 वर्षों के इतिहास में पहली बार कार्यकारिणी समिति के सदस्य रहे किसी व्यक्ति ने जयपुर के महापौर का पद प्राप्त किया है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष राजू अग्रवाल मंगोड़ीवाला के नेतृत्व में आयोजित समारोह में कार्यकारिणी समिति सहित विभिन्न कमेटीयों के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने पुष्पशुद्ध भेंट कर और माहोत्सव कर महापौर सुनील कोठारी का स्वागत किया तथा उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। अध्यक्ष राजू अग्रवाल मंगोड़ीवाला ने कहा कि सुनील कोठारी का महापौर बनना पूरे



ज्वेलर्स एसोसिएशन परिवार और आभूषण उद्योग के लिए गर्व का विषय है।

इस अवसर पर सचिव अजय गोधा, उपाध्यक्ष गोविंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष गोविंद गुप्ता, संयुक्त सचिव महावीर दागा, विजय

बनास नदी पर तैयार हुआ राजस्थान का सबसे लम्बा हाई-लेवल ब्रिज

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में सड़क परिवहन को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा रहा है। इसी कड़ी में बनास नदी के गहलोद में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा 1३4 करोड़ 74 लाख रुपये की लागत से राजस्थान के सबसे लम्बे हाई–लेवल ब्रिज का निर्माण किया गया है। जनसुविधाओं की दृष्टि से यह क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन साबित होगा। सीआरआईएफ के माध्यम से निर्मित यह गहलोद हाई–लेवल ब्रिज इंजीनियरिंग गुणवत्ता, आपदा–रोधी कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय विकास का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह हाई–लेवल ब्रिज 3.34 कि.मी. लम्बाई में बनाया गया है। इस ब्रिज में 2 कि.मी. का मुख्य पुल तथा 1.34 कि.मी. का एप्रोच बनाया गया है। करीब 243 टन भार क्षमता के इस पुल के मुख्य भाग में 40 मीटर के 50 स्थान बनाए गए हैं। इस पुल की लोड टेस्टिंग 5 चरणों में सफलतापूर्वक पूर्ण की जा चुकी है। टेस्टिंग के दौरान यातायात पूर्णतः बंद रखकर प्रत्येक घंटे डिफ्लेक्शन की निगरानी एवं भार हटाने के बाद संरचनात्मक रिकवरी का परीक्षण किया गया। इसमें रिकवरी 92 प्रतिशत रही, जबकि 85 प्रतिशत या अधिक रिकवरी संतोषजनक मानी जाती है। उल्लेखनीय है कि बारिश के दौरान पुराना रपटा जलमग्न तथा क्षतिग्रस्त होने से क्षेत्र का संपर्क बाधित हो जाता था और टॉक जाने के लिए 30 से 40 कि.मी. अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती थी। अब नए हाई–लेवल ब्रिज से पीपलू, मालपुरा, टोडायासिंह, फागी एवं अजमेर क्षेत्र में वर्षभर सुरक्षित एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित होगा।

एसएसआई 10 हजार रु. घूस लेते गिरफ्तार

जयपुर । सांगानेर सदर थाने में तैनात सहायक डप निरीक्षक महेश चन्द मीणा को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने गुरुवार को 1० हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। आरोपी एएसआई मामले में अनुसंधान अधिकारी था और परिव्रादी के मामा के नाम की पिकअप छोड़ने तथा सहपरिव्रादी को प्रकरण में आरोपी नहीं बनाने की एवज में रिश्वत की मांग कर रहा था। एसीबी ने रिश्वत की राशि आरोपी की पहनी हुई पैट की जेब से बरामद कर ली। एसीबी चौकी जयपुर नगर तृतीय के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश नवल ने बताया कि जयपुर नगर तृतीय चौकी को शिकायत मिली थी कि सांगानेर सदर थाने में दर्ज प्रकरण के अनुसंधान अधिकारी महेश चन्द मीणा परिव्रादी के मामा के नाम की पिकअप को छोड़ने और सहपरिव्रादी को मुल्जिम नहीं बनाने के बदले 20–20 हजार रुपए मांग रहा है।

सार-समाचार

शोहित चौधरी अध्यक्ष, शशांक अग्रवाल
उपाध्यक्ष व आकाश सिंघवी सचिव बने



शोहित चौधरी



शशांक अग्रवाल



आकाश सिंघवी

जयपुर (कासं)। जोधपुर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की एलुमनी एसोसिएशन (एन.एल.यू.जे.ए.ए.) की गर्वर्निंग बोर्डि के चुनाव पहली बार आयोजित हुए। इसमें 2०08 बैच के शोहित चौधरी को अध्यक्ष चुना गया, जबकि 2०09 बैच के शशांक अग्रवाल को उपाध्यक्ष व 2005 बैच के आकाश सिंघवी को सचिव चुना गया है। उल्लेखनीय है कि यह संस्था 1० वर्ष पुरानी हैं, परंतु पहली बार चुनाव हुए हैं, अब तक निर्विरोध ही पदाधिकारियों का चयन होता आया है। गत 26 और 27 सितंबर को हूफ्ट्द के माध्यम से ऑनलाइन मतदान में 9०4 पूर्व विद्यार्थियों ने भाग लिया। चुनाव में केतन पॉल को संयुक्त सचिव और आदित्य राज को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। कार्यकारिणी सदस्यों में नंदिनी कौशिक, देशेश कुमार, अली अमेरजी, पीयूष शर्मा, प्रचेत शर्मा और विजय देवड़ा निर्वाचित हुए। नई गर्वर्निंग बोर्डि में 2०05 से 2०24 तक के विभिन्न बैचों के पूर्व विद्यार्थी शामिल हैं, जिन्हें दिल्ली, जयपुर, जोधपुर और यूके का प्रतिनिधित्व मिला है। चुनाव समिति में अदीति भट्ट, अंकित विरमानाी और मेहरुनिस्सा आनंद जेटली शामिल रहे। एसोसिएशन ने चुनाव समिति, हूफ्ट्द, सभी प्रत्याशियों और एलुमनाई का आभार जताया।

“हमारा बीएसएनएल” थीम पर दौड़



जयपुर । भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के 2६वें स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुवार को “हमारा बीएसएनएल” थीम पर पांच किलोमीटर की दौड़ आयोजित की गई। राजस्थान दूरसंचार परिमंडल कार्यालय से शुरू हुई दौड़ को मुख्य महाप्रबंधक विक्रम मालवीय और राजस्थान दूरसंचार महिला कल्याण समिति की अध्यक्ष मनीषा मालवीय सहित बीए प्रमुखों एवं परिमंडल कार्यालय के इकाई प्रमुखों ने झंडी दिखाकर रवाना किया। दौड़ में परिमंडल कार्यालय, जयपुर बीए और सीएनटीएक्स नॉर्थ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिला कल्याण समिति की सदस्य एवं प्रधान महाप्रबंधक निधि माथुर तथा सुमित्रा जाखड़ भी दौड़ में शामिल हुईं। प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले धावकों को मुख्य महाप्रबंधक विक्रम मालवीय ने प्रमाण–पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विक्रम मालवीय ने प्रेरणादायी संबोधन के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) रविंदर कुमार के मार्गदर्शन में किया गया।

बुजुर्गों को बांटी निःशुल्क दवाइयां



जयपुर । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय की ओर से अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर आमेर स्थित जीवन ज्योति वृद्धाश्रम में चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। प्राधिकरण की सचिव एवं अतिरिक्त जिला न्यायाधीश श्रीमती परल्लवी शर्मा ने बताया कि शिविर में बुजुर्गों के रक्तचाप, शुगर, अनिद्रा और जोड़ों के दर्द सहित विभिन्न समस्याओं की जांच कर निशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी जयपुर प्रथम के समन्वय से आयोजित शिविर में पीएचसी रूग्ण्डल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुर्जर और राजकीय सैटेलाइट अस्पताल, आमेर के नर्सिंग अधिकारी मुकेश सैनी ने सहयोग किया। सुवाई मानसिंह चिकित्सालय की उपनिदेशक डॉ. आशा लता और उनकी फिजियोथेरेपी टीम ने बुजुर्गों की शारीरिक एवं जोड़ों संबंधी समस्याओं के लिए फिजियोथेरेपी सेनाएं दी। साथ ही उपस्थित लोगों का राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) और राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (रालसा) की ओर से वृद्धजनों की सहायता के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

दीपक लाम्बा वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत



के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए लाम्बा को कार्यकारिणी समिति में वरिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके मनोनयन पर निवाई एवं टॉक क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, शुभचिंतकों, सहकर्मियों और क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। क्षेत्रवासियों ने विश्वास जताया कि लाम्बा अपने अनुभव और कार्यकुशलता से संघ के हितों तथा निजी सचिव एवं निजी सहायक संवर्ग से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पीएन शर्मा व एसएल पालीवाल पर संगोष्ठी आज

जयपुर । उद्योग एवं वाणिज्य विभाग में पी.एन. शर्मा एवं एस.एल. पालीवाल को वरिष्ठ अतिरिक्त आयुक्त के पद पर पदोन्नित दी गई है। पदोन्नित के बाद दोनों अधिकारियों ने वरिष्ठ अतिरिक्त आयुक्त के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों के पदभार ग्रहण करने के साथ विभागीय कार्यों के संचालन एवं प्रशासनिक दायित्वों को गति मिलेगी। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दोनों अधिकारियों को पदोन्नित पर शुभकामनाएं दीं।

इलेक्ट्रोपैथी अनुसंधान पर संगोष्ठी आज

जयपुर । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा परिषद, जयपुर की ओर से 2 अक्टूबर को “इलेक्ट्रोपैथी अनुसंधान में डेटा का महत्व एवं भूमिका” विषय पर संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम प्रातः 1०:3० बजे गांधी सर्किल के पास जेएलएन गांग्र स्थित महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गर्वनेंस एंड सोशल साइंसेज में होगा। इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा परिषद के अध्यक्ष डा. हेमंत सेटिया ने बताया कि उद्घाटन सत्र में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे मुख्य अतिथि होंगे। सिविल लाईंस विधायक गोपाल शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।